भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 417
दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 के लिए प्रश्न

मवेशियों में पुरानी बीमारियां

417. श्री राम नाथ ठाकुर:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि लंबी बीमारियों के कारण गायों और मवेशियों की बड़ी संख्या में मौत हुई है, विगत दो वर्षों का राज्यवार ब्यौरा क्या है; और
(ख) लंबी बीमारी के इलाज के लिए अभी तक केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) वर्ष 2022 के दौरान लम्पी स्किन रोग के कारण गोपशुओं के मरने की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। एलएसडी के नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश/परामर्श, जिसमें टीकाकरण और उपचार शामिल हैं, को एक निश्चित समय सीमा के भीतर रोग को रोकने और नियंत्रित करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को परिचालित किया गया है। वर्तमान में रोग नियंत्रण में है। गोपशुओं का टीकाकरण अभी भी जारी है और अब तक लगभग 6.25 करोड़ पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। गोपशुओं की मृत्यु का विवरण **अनुबंध-1** में संलग्न है।

(ख) पशुपालन राज्य का विषय है। हालांकि, पशुपालन और डेयरी विभाग, पशु स्वास्थ्य के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से सभी राज्यों में पशुओं के रोगों के खिलाफ रोगनिरोधी टीकाकरण, पशु चिकित्सा सेवाओं की क्षमता निर्माण, रोग निगरानी और पशुचिकित्सा अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्रीय क्षेत्र की एक योजना, पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एचएचडीसीपी) लागू कर रहा है। प्रमुख समर्थित कार्यकलाप हैः खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस, पेस्ट डेस पेटिट्स रुमिनेंट्स (पीपीआर) और क्लासिकल स्वाइन ज्वर (सीएसएफ) के लिए टीकाकरण; पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण-मोबाइल पशुचिकित्सा ईकाइयां (ईएसवीएचडी-एमवीयू) और राज्य की प्राथमिकता वाले आर्थिक रुप से महत्वपूर्ण, विदेशी आकस्मिक और जूनोटिक पशु रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को पशु रोग नियंत्रण के लिए सहायता (एएससीएडी)। इसके अतिरिक्त, निश्चित समय सीमा के भीतर रोगों के निवारण, नियंत्रण और रोकथाम के लिए दिशानिर्देश के साथ एवियन इन्फ्लुएंजा, एएसएफ (अफ्रीकन स्वाइन ज्वर), ग्लैडंर्स जैसे रोगों पर राष्ट्रीय कार्य योजनाएं हैं।

****

अनुबंध- 1

वर्ष 2022 के दौरान देश में लम्पी त्वचा रोग (एलएसडी) के कारण मरने वाले गोशुओं का विवरण		
क्र.सं.	**राज्य/संघ क्षेत्र**	**एलएसडी के कारण मरने वाले पशुओं की संख्या**
1	गुजरात	6193
2	हिमाचल प्रदेश	10681
3	पंजाब	17932
4	राजस्थान	75819
5	उत्तराखंड	919
6	मध्य प्रदेश	681
7	जम्मू और कश्मीर	2698
8	उत्तर प्रदेश	647
9	हरियाणा	2937
10	महाराष्ट्र	24430
11	गोवा	1
12	पश्चिम बंगाल	0
13	आंध्र प्रदेश	58
14	दिल्ली	0
15	बिहार	0
16	तमिलनाडु	0
17	झारखंड	0
18	कर्नाटक	12244
19	तेलंगाना	70
20	केरल	50
21	छत्तीसगढ	0
22	ओडिशा	6
	कुल	**155366**

****